



## प्रिलिम्स फैक्ट्स: 02 जुलाई, 2021

[drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-02-july-2021](https://drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-02-july-2021)

### कुवेम्पु पुरस्कार 2020

#### (Kuvempu Award 2020)

हाल ही में उड़िया कवि डॉ. राजेंद्र किशोर पांडा को 'कुवेम्पु पुरस्कार 2020' के लिये चुना गया है।

- वर्ष 1944 में पैदा हुए डॉ. राजेंद्र किशोर पांडा ओडिशा के एक प्रसिद्ध कवि एवं उपन्यासकार हैं। अब तक उनके कुल 16 कविता संग्रह और एक उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं।
- उन्हें वर्ष 2010 में 'गंगाधर राष्ट्रीय पुरस्कार' और वर्ष 1985 में 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।

#### प्रमुख बिंदु

##### कुवेम्पु पुरस्कार

- यह 20वीं सदी के दिवंगत कन्नड़ कवि 'कुवेम्पु' की स्मृति में स्थापित एक राष्ट्रीय पुरस्कार है।
- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी भाषा के साहित्य में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले लेखक को दिया जाता है।
- इस पुरस्कार के तहत विजेताओं को 5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार तथा एक रजत पदक एवं एक प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।

##### कवि 'कुवेम्पु'

- कुप्पली वेंकटप्पा पुट्टप्पा, जिन्हें उनके उपनाम 'कुवेम्पु' के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय कवि, नाटककार, उपन्यासकार और आलोचक थे।
- उन्हें मुख्य तौर पर 20वीं सदी के सबसे महान कन्नड़ कवियों में से एक माना जाता है।
- वह कन्नड़ भाषा के पहले लेखक थे जिन्हें रामायण के उनके स्वयं के संस्करण 'श्री रामायण दर्शनम' के लिये ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

##### ज्ञानपीठ पुरस्कार

- ज्ञानपीठ पुरस्कार भारत में प्रतिवर्ष प्रदान किये जाने वाला सबसे प्रमुख साहित्यिक पुरस्कार है और यह एक वर्ष में एक ही भारतीय नागरिक को प्रदान किया जा सकता है।

- भारतीय संविधान (8वीं अनुसूची) में उल्लिखित भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेज़ी भाषा के लेखकों का चयन भी इस पुरस्कार के लिये किया जा सकता है।
- इस पुरस्कार के तहत 11 लाख रुपए की धनराशि, प्रशस्ति-पत्र तथा वाग्देवी (सरस्वती) की कास्य की प्रतिमा प्रदान की जाती है।
- यह पुरस्कार सांस्कृतिक संगठन 'भारतीय ज्ञानपीठ' द्वारा प्रायोजित है।

## साहित्य अकादमी पुरस्कार

---

- वर्ष 1954 में स्थापित 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' एक साहित्यिक सम्मान है, जो कि 'साहित्य अकादमी' (नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स) द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।
- अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष स्वयं द्वारा मान्यता प्रदत्त 24 भाषाओं में साहित्यिक कृतियों के साथ ही इन्हीं भाषाओं में परस्पर साहित्यिक अनुवाद के लिये भी पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।
- भारतीय संविधान में शामिल 22 भाषाओं के अलावा साहित्य अकादमी ने अंग्रेज़ी तथा राजस्थानी को भी उन भाषाओं के रूप में मान्यता दी है, जिनमें अकादमी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं और पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।
- ज्ञानपीठ पुरस्कार के बाद साहित्य अकादमी पुरस्कार, भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान है।

## गंगाधर राष्ट्रीय पुरस्कार

---

- गंगाधर राष्ट्रीय पुरस्कार संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यतः कविता हेतु साहित्य के क्षेत्र में दिया जाने वाला एक साहित्यिक पुरस्कार है। इसका नाम गंगाधर मेहर के नाम पर रखा गया है।
- इस पुरस्कार के तहत 50,000 रुपए नकद, एक शॉल और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

## फर्स्ट मूवेबल फ्रेशवॉटर टनल एक्वेरियम: इंडियन रेलवे

---

### First Movable Freshwater Tunnel Aquarium: Indian Railways

---

हाल ही में भारतीय रेलवे (IR) ने बंगलूरु रेलवे स्टेशन पर देश के फर्स्ट मूवेबल फ्रेशवॉटर टनल एक्वेरियम (Movable Freshwater Tunnel Aquarium) की स्थापना की है।



## प्रमुख बिंदु:

---

- क्रांतिवीर संगोली रायन्ना रेलवे स्टेशन, जिसे बंगलूरू सिटी रेलवे स्टेशन के नाम से भी जाना जाता है, भारत का पहला रेलवे स्टेशन बन गया है जिसमें **मूवेबल फ़रेशवॉटर टनल एक्वेरियम** है।
- **भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम लिमिटेड (IRSDC)** द्वारा **एचएनआई एक्वाटिक किंगडम (HNI Aquatic Kingdom)** के सहयोग से यह एक्वेरियम खोला गया है।
- यह एक्वेरियम अमेज़ॉन नदी (दक्षिण अमेरिका की) अवधारणा पर आधारित **अपनी तरह का एक जलीय पार्क** है।
- यह एक 12 फीट लंबा जलीय साम्राज्य है, असंख्य वनस्पतियों और जीवों के साथ पहला पलुडेरियम (विवरियम जिसमें स्थलीय और जलीय दोनों तत्त्व शामिल हैं)।
- यह विभिन्न जलीय जंतुओं जैसे- घड़ियाल गार रेंजिंग, स्टिंगरे, शार्क, झींगा मछली, घोंघे और शिर्म्प आदि का निवास स्थान है। एक्वेरियम प्राकृतिक चट्टानों और ड्रिफ्टवुड, कृत्रिम प्रवाल चट्टानों के टुकड़ों से सुशोभित है।
- इसे रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के सुखद अनुभव के उद्देश्य से 1.2 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है।
- इसका उद्देश्य भारतीय रेल के लिये राजस्व अर्जन में सुधार करना भी है।
- यह एक प्रकार से शिक्षाप्रद भी है, यहाँ मछलियों के जीवन, आकार, साम्राज्य का अनुभव किया जा सकता है।